मंगलाबाई भागवत फाऊंडेशन

दिनांक:

विषय : हिंदी (संयुक्त)

समय : २ घंटे

पूर्णांक: – **40**

सूचना : १) सूचना के अनुसार गद्य पद्य तथा भाषा अध्ययन । (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियायें में ही उत्तर लिखना अपेक्षित हैं ।

२) सभी आकृतियों के लिए पेन का प्रयोग कीजिए ।

३) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।

४) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्च लेखन अपेक्षित है ।

विभाग–१ गद्य (१२ अंक)

प्र. 1 अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (6)

मैने कहा– 'यह तो सहज बात है । आजकल बिना आरक्षण के बिना यात्रा करना सिरदर्द मोड लेना है ।' वे बोली– 'आप भी अजीब आदमी हैं । सिरदर्द तो आरक्षण कराने में है । हफ्तों चक्कर काटते हैं, तब कहीं एक सीट मिलती है । आप शान से टिकिट जेब में रखते हैं, अकडकर डिब्बे में प्रवेश करते हैं और जब कंडक्टर को आरक्षण का टिकीट दिखाते हैं, तो वह हिकारत भरी निगाह से कहता है,' जब टिकिट है तो क्या देखाना ? नहीं होता तो देख लेता । वह दूसरे यात्री के पास जाता है । उसके पास न टिकीट है न आरक्षण । इशारे–इशारे में कुछ बात होती है और उसे वह जहाँ से चाहता है, जहाँ तकके लिए चाहता है, वहाँ तक के सीट मिल जाती है । देखा नहीं आपने, रेल के हर डिब्बे पर लिखा है–' भारतीय रेल जनता की संपत्ति है, इसे सुरक्षित रखिए लेकिन इसके पीछे एक अलिखित इबारत भी होती है, भारतीय रेल कंडक्टर की संपत्ति है... ।'

आकृति पूर्ण कीजिए ।

i) टिकट आरक्षण के बारे में विचार

ii) बिना टिकट और बिना आरक्षणवालों के साथ कंडक्टर का

व्यवहार – ______

– ______

२) दिए गए शब्दों से कृदंत शब्द बनाइए । (2)

i) लिखना ii) दिखाना iii) कहना iv) रखना

३) 'रेल टिकट – आरक्षण सिरदर्द' इस विषय पर अपने विचार २५ ते ३० शब्दों में लिखिए । (2)

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (6)

मंत्री – अरे हवा रानी ! नाराज मत हो । धीरे–धीरे तो चलो, साँस लेना मुश्किल हो रहा है । तुम चलोगी नहीं, तो लोग जिंदा कैसे रहेंगे ? (हवा बहने लगती है ।)

महाराज– हवा के बारे में कोई और शिकायत ?

औरत – महाराज, हम अपने घर साफ सुथरे रखते हैं पर हवा, आँधी बनकर आती है और हमारे घर रेत और कूडे से भर देती है । हवा तो बहे पर आँधी क्यों ?

हवा – महाराज, आँधी से इनका मतलब मेरे तेज चलने से है । वैसे तो मैं हर समय बहती रहती हूँ, पर इन्हें जब गरमी लगती है, तो पंखा चलाकर मेरी गति बढा लेते हैं । उसी तरह जहाँ भी हवा कम होती है, मैं तेजी से वहाँ जाती हूँ । जब मैं तेजी से चलती हूँ तो रेत, मिट्टी कूडा आदि जो भी हल्की चीजें रास्ते में होती हैं, मेरे साथ उडने लगती हैं । ये अपने घर और दुकान साफ करके कूडा घर के आसपास गली में या सडक पर डाल देते हैं । कईं बार गाँव के बाहर कूडे के ढेर लगा देते हैं । इनका फेंका कूडा ही वापस इनके घरों में जाता है । महाराज ! लोग अपने गाँव या शहर में पॉलिथिन की थैलियाँ सडकों पर फेंकते हैं । वे मेरे साथ उडकर खेतों में फैल जाती है और फसलों को नुकसान पहुँचाती है । जैसी करनी वैसी भरनी । इसमें मैं क्या कर सकती हूँ । इससे मेरा भी मन बडा दु:खी होता है ।

महाराज– मैंने सबकी बात सुनी है । लोग हवा–पानी से दुखी तो हैं, पर कसूर इनका नहीं है । लोगों को सफाई की आदत अपनानी होगी, तभी ये दूषित होने से बचेंगे । हमें चाहिए कि हम हवा और पानी को अपना दोस्त मानकर उन्हें नुकसान न पहुँचाएँ और इन्हें प्रदूषन से बचाने के उपाय खोजे, उचित कार्यवाही करें । इसमें ही हमारा भला और बचाव है ।

१) आकृति पूर्ण कीजिए । (2)

i) हवा यह बनकर हमारे घर रेत और कुडे से भर देती है –
ii) गरमी लगने पर आदमी यह चलाकर मेरी गति बढा लेते हैं –
iii) लोग इन्हें सडकों पर फेंक देते हैं –
iv) लोगों को इसकी आदत अपनानी चाहिए –

२) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । (1)

i) दोस्त ii) भला

ii) गद्यांश में प्रयुक्त दो शब्द युग्म चुनकर लिखिए । **(1)**

३) 'बढते हुए प्रदूषण को रोकने के उपाय' इस विषय पर अपने विचार २५ ते ३० शब्दों में लिखिए । (2)

विभाग-२ पद्य (८ अंक)

प्र. 2 अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(4)**

मानुष है । तो वही 'रसखान', बसौं मिलि गोकुल गाँव के ग्वारन ।
जो पसु हैं । तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँ झारन ।
पाहन हैं, तो वही गिरि को, जो धरयो कर छत्र पुरंदर कारन ।
जो खग हैं, तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कुल कदंब की डारन ।
धूरि भरे अति सोहत स्याम जू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी ।
खेलत खात फिरैं अँगना, पर पैंजनि बाजत, पीरी कछोटी ।
बा छबि को 'रसखान' बिलोकत, वारत काम कला निधि कोटी ।
काग के भाग कटा कहिए, हरि हाथ सों लै गयो माखन रोटी ।

१) उत्तर लिखिए । कवि यहाँ और यह बनकर रहना चाहते हैं :- **(2)**

i) ....
ii) ....
iii) ....
iv) ....

2 पद्यांश की आरंभ की चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० पंक्तियों में लिखिए । **(2)**

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(4)**

सोंधी-सोंधी सी सुगंध, माटी से बोली,
बादल बरस गया, धरती ने आँखे खोली ।
चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा ।
एक जहाँ पर नहीं अकेला, होगी टोली,
सोंधी-सोंधी सी सुगंध, माटी से बोली ।।
बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,
झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत सुनाएँ ।
मस्त पवन ने अब खोली है अपनी झोली,
सोंधी-सोंधी सी सुगंध, माटी से बोली ।।

१) आकृति पूर्ण किजिए । मेघों के बरसने से हुए परिवर्तन **(2)**

i) ....
ii) ....
iii) ....
iv) ....

2) पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० पंक्तियों में लिखिए । **(2)**

विभाग-३ भाषा अध्ययन व्याकरण (८ अंक)

प्र. 3 अ) निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । सही शब्द छाँटकर लिखिए ।

i) अद्विितीय, अद्‌वितीय, अद्विितिय, अद्वीतीय ।

ii) चहचाती, चहचहाती, चैहचहाती, चहचचहाथी ।

2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए । (1)

i) आज ii) इसलिए

3) कृति पूर्ण कीजिए । (सिर्फ १) (1)

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
i)	हिम + आलय	....
ii) तपोबल	....	....

4) i) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए । (1)

(मन में बैठना, चक्कर काटना)

दादाजी रोज सुबह अपने खेतों के <u>**फेरे लगाते हैं**</u> ।

अथवा

ii) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । (1)

i) नाक - भौ - सिकोडना । ii) भाग्य जागना ।

5) निम्नलिखित वाक्य में से कालभेद पहचानिए तथा सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (2)

i) गाँव के सब बच्चे उसके पीछे घूम रहे थें ।

(कालभेद पहचानिए)

ii) काल परिवर्तन। (सिर्फ एक)

1) कल क्या खाया था ? (भविष्यकाल)

2) लोगों ने पहाड काटकर मैदान बना डाले हैं । (सामान्य भूतकाल)

6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन :- (2)

i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए ।

लागों की शिकायत है कि पानी अब निर्मल नहीं रहा ।

ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए । (4)

क्या मुझे बस से यात्रा करनी है ? (निषेधार्थक वाक्य)

विभाग–४ रचना विभाग (उपयोजित लेखन) (12)

प्र. 4 अ) निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए । **(4)**

पत्रलेखन – निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए ।

कमलेश/कांचन पाटील, पाटकर कॉलनी, श्याम नगर, अहमद नगर से अपने मित्र/सहेली राकेश/राखी माने, राम सदन, नागपूर को हाईस्कुल परीक्षा में प्रथम आने के उपलक्ष्य में अभिनंदन पत्र लिखता/लिखती है ।

अथवा

अस्मिता/अक्षय जोशी, समता विद्यालय, सुभाष रोड, परभणी से व्यवस्थापक, आमोद ग्रंथ भंडार, नेहरु नगर, शिवाजी रोड, औरंगाबाद को पत्र लिखकर विद्यालय के वाचनालय के लिए हिंदी, मराठी, और अंग्रेजी व्याकरण की पुस्तकें मँगाती/मँगाता है ।

२) कहानी लेखन :– निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ६० से ७० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए । **(4)**

हंस कौए में दोस्ती – दधिपात्र लेकर जाते हुए आदमी को देखकर ललचाना – हंस को जबरन साथ लेना– दधिपात्र पर कौआ और हंस – कौए का दही खाना – ग्वाले को आहट – कौए का उडना – हंस का पकडा जाना – परिणाम – सीख ।

अथवा

विज्ञापन लेखन :– निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए ।

जलगाँव के शनिवार पेठ में रहनेवाले श्री. योगेश वर्माजी को ड्रायव्हर की जरुरत है ।

i) अनुभव ii) नजदीक रहनेवाला iii) समय iv) शैक्षिक पात्रता v) उम्र
vi) भाषा अवगत vii) संपर्क पता

आ) निबंध लेखन :– **(4)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ६० से ७० शब्दों में निबंध लिखिए ।

कमलेश/कांचन पाटील, पाटकर कॉलनी, श्याम नगर, अहमद नगर से अपने मित्र/सहेली राकेश/

i) मोबाईल से लाभ–हानि
ii) घडी की आत्मकथा
iii) यदि बारिश न होती

******